www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मोदी सरकार की जनहित की शानदार पहल...

3 ऑफिस यूनिफॉर्म में भी ट्रेंडी लुक के लिए...

4 राजौंद में खंड स्तरीय पर्यावरणीय विज्ञान...

वर्ष: 9 | अंक: 304 | दिल्ली, गुरुवार, 28 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं: डॉ. मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समाज और जीवन में संतुलन ही धर्म है, जो किसी भी अतिवाद से बचाता है। भारत की परंपरा इसे मध्यम मार्ग कहती है और यही आज की दुनिया की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के समक्ष उदाहरण बनने के लिए समाज परिवर्तन की शुरूआत घर से करनी होगी। इसके लिए संघ ने पंच परिवर्तन बताए हैं - कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध (स्वदेशी) और नागरिक कर्तव्यों का पालन। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता दें तथा भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, किसी दबाव में नहीं। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला 100 वर्ष की संघ यात्रा-नए क्षितिज के दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत संघचालक डॉ. अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे। मोहन भागवत जी ने कहा कि संघ का कार्य शुद्ध सात्विक प्रेम और समाजनिष्ठा पर आधारित है। ह्लसंघ का स्वयंसेवक कोई व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं रखता। यहाँ इंसेंटिव नहीं हैं, बल्कि डिसइंसेंटिव अधिक हैं। स्वयंसेवक समाज-कार्य में आनंद का अनुभव करते हुए कार्य करते हैं ह्ल उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन की सार्थकता और मुक्ति की अनुभूति इसी सेवा से होती है। सज्जनों से मैत्री करना, दुष्टों की उपेक्षा करना, कोई अच्छा करता है तो आनंद प्रकट करना, दुर्जनों पर भी करुणा करना - यही संघ का जीवन मूल्य है।

गणेश उत्सव में यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो लगाएगी एक्स्ट्रा फेरे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान यात्रा को सुगम बनाने के लिए, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने घोषणा की है कि लाइन 2ए (येलो लाइन) और लाइन 7 (रेड लाइन) पर मेट्रो सेवाएँ 27 अगस्त (बुधवार) से 6 सितंबर (शनिवार) के बीच मध्यरात्रि तक चलेंगी। 10 दिवसीय उत्सव के दौरान, अंधेरी पश्चिम (लाइन 2ए) और गुंडावली (लाइन 7) से अंतिम ट्रेनें सामान्य रात 11 बजे के बजाय रात 12 बजे प्रस्थान करेंगी। यह निर्णय बढ़ती यात्री माँग को पूरा करने के लिए लिया गया है क्योंकि लाखों भक्त शहर भर के गणपति पंडालों में दर्शन करने के लिए निकलते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की 12,328 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को दी मंजूरी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की लगभग 12,328 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में शामिल हैं:

- **देशलपार-हाजीपीर-लूना और वायोर-लखपत नई लाइन**
- **सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी तीसरी और चौथी लाइन**
- **भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन**
- **फुर्केटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण**

उपरोक्त परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों और वस्तुओं दोनों का निर्बाध और त्वरित परिवहन सुनिश्चित करना है। ये पहल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और यात्रा सुविधा में सुधार के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेंगी तथा तेल आयात पर निर्भरता कम करेंगी। इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएं कार्बनडाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में योगदान देंगी, जिससे स्थाई और कुशल रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा। ये परियोजनाएं अपने निर्माण के दौरान लगभग 251 लाख मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित करेंगी।

प्रस्तावित नई रेल लाइन कच्छ क्षेत्र के सुदूर क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह गुजरात के विद्यान रेलवे नेटवर्क में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जोड़ेगी, जिसकी अनुमानित लागत 2526 करोड़ रुपये है। परियोजना की पूर्ण होने की समय-सीमा 3 वर्ष है। गुजरात राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के अतिरिक्त, यह नई रेल लाइन नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर और बेंटोनाइट के परिवहन में भी मदद करेगी। इस परियोजना का रणनीतिक महत्व यह है कि यह कच्छ के रण को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला भी रेल नेटवर्क के अंतर्गत आएंगे क्योंकि 13 नए रेलवे स्टेशन जोड़े जाएंगे जिससे 866 गांवों और लगभग 16 लाख आबादी को लाभ होगा।

कनेक्टिविटी को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 3,108 गांवों और लगभग 47.34 लाख की आबादी तथा एक आकांक्षी जिले (कलबुर्गी) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों को लाभ होगा। कर्नाटक और तेलंगाना में फैली 173 किलोमीटर लंबी सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी तीसरी और चौथी लाइन के पूरा होने की समय-सीमा पांच वर्ष और लागत 5012 करोड़ रुपये है, जबकि बिहार में 53 किलोमीटर लंबी भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन के लिए यह तीन साल है और इसकी लागत 1156 करोड़ रुपये है। 194 किलोमीटर लंबी फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण परियोजना का कार्य, जिसकी लागत 3634 करोड़ रुपये है, चार वर्षों में पूरा होगा।

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। इन मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्तावों से प्रचालनों का सुव्यवस्थित होना और भीड़भाड़ में कमी आना तय है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से "आत्मनिर्भर" बनाएंगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएं भारतीय रेलवे के विद्यमान नेटवर्क को लगभग 565 किलोमीटर बढ़ा देंगी।

ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाईऐश, स्टील, कंटेनर, उर्वरक, कृषि उत्पाद और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 68 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत को कम करने, तेल आयात (56 करोड़ लीटर) में कमी लाने तथा कार्बनडाइऑक्साइड उत्सर्जन (360 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो 14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

प्रस्तावित परियोजनाओं का उद्देश्य कोयला, कंटेनर, सीमेंट, कृषि वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, पीओएल, लोहा एवं इस्पात तथा अन्य वस्तुओं के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण मार्गों पर लाइन क्षमता बढ़ाकर लॉजिस्टिक दक्षता में वृद्धि करना है। इन सुधारों से आपूर्ति श्रृंखलाओं के इष्टतम होने और त्वरित आर्थिक विकास में सहायता मिलने की उम्मीद है।

आईजीएल सड़कों की मरम्मत का काम जल्द करे शुरू: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री श्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बवाना में गैस पाइपलाइन के चल रहे कार्यों और इन कार्यों के चलते सड़कों की मरम्मत के अधूरे पड़े कामों से आमजन को हो रही समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहाँ सड़कों की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू करें। विशेषकर अनधिकृत कॉलोनियों में गड्ढों को भरकर सड़कों की समुचित मरम्मत की जाए। वहीं अन्य क्षेत्रों में एमसीडी के माध्यम से सड़क के कार्य पूरे कराए जाएं।

बैठक में आईजीएल, एमसीडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा डीएसआईडीसी के अधिकारी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में पाइपलाइन का कार्य अभी प्रगति पर है, वहां आईजीएल संबंधित विभागों एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और डीएसआईडीसी के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करे, ताकि आमजन को बार-बार सड़कों की खुदाई से परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन बिछाने, नालों के निर्माण, सड़कों के निर्माण, सीवर लाइन बिछाने की परियोजनाओं पर आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने से ही ऐसा संभव हो पायेगा।

कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इंद्राज कॉलोनी, कुतुबगढ़ गाँव, नांगल ठाकरान, दरियापुर, चंद्रपुर, जटखोर, बाजितपुर ठाकरान, औचंडी, पंजाब खोर और हरेवली सहित बवाना क्षेत्र के अन्य इलाकों में चल रहे पाइपलाइन कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा सड़कों की मरम्मत का कार्य भी साथ-साथ सुनिश्चित किया जाए।

दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सफाई कर्मियों का करें पूरा सहयोग: रविन्द्र इंद्राज

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को रोहिणी सेक्टर 24 में दिल्ली कंज्यूमर्स कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर (डीसीसीडब्ल्यूएस) के नजदीक स्थानीय निवासियों और सफाई कर्मियों (स्वच्छता प्रहरियों) के साथ स्वच्छता अभियान: दिल्ली को कूड़े से आजादी में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने सफाई कर्मियों को प्रोत्साहित किया और उनके अथक परिश्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सफाई कर्मियों की अहम भूमिका है और सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे उनके सहयोगी बनें। उन्होंने कहा कि रामलीला के भव्य आयोजन के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के आग्रह पर दिल्लीवासी दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान को एक जन आंदोलन बना रहे हैं। उन्होंने दिल्ली वासियों से अपील की कि घरों और बाजारों के आसपास खुले में कचरा न फेंकें, कचरा डालने के लिए सार्वजनिक जगहों पर लगे डस्टबिन का प्रयोग करें। साथ ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें तथा नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में भी अलग-अलग ही डालें। नालियों में कचरा न डालें, क्योंकि इससे नालियां जाम होती हैं और जलजमाव की समस्या पैदा होती है. सफाई कर्मियों को अनावश्यक कठिनाई झेलनी पड़ती है।

स्वच्छता अभियान के बाद कैबिनेट मंत्री ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के एक पेड़ माँ के नाम आह्वान की दिशा में सभी लोगों से एक वृक्ष अवश्य लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारी आस्था और भावनाओं से भी जुड़े होते हैं। हमें वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए।

सीएम ने भगवान गणेश से मांगी दिल्ली की प्रगति व समृद्धि की कामना

समाज को एकजुट रखने का संदेश देता है गणेशोत्सव पर्व: रेखा गुप्ता

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई मंदिरों व स्थलों पर पहुंचकर विघ्नहर्ता भगवान गणपति बप्पा के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने भगवान सिद्धिविनायक से प्रार्थना की कि वह दिल्ली सहित सभी देशवासियों को सुख, समृद्धि और आरोग्यता का आशीर्वाद प्रदान करें।

मुख्यमंत्री आज सुबह कनॉट प्लेस स्थित श्री गणेश मंदिर पहुंची। इसके बाद उन्होंने नॉर्थ एवेन्यू व तीन मूर्ति में भी आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रमों में भागीदारी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कि मेरी ओर से सभी देशवासियों और दिल्लीवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। मैंने गणपति बप्पा से प्रार्थना की है कि हमारे देश और दिल्ली के सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न हों, राजधानी निरंतर प्रगति की राह पर आगे बढ़े और विकास की इस यात्रा में किसी भी प्रकार का विघ्न न आए।

उन्होंने आगे कहा कि गणेश चतुर्थी केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि नई ऊर्जा, नई शुरूआत और सकारात्मकता का प्रतीक है। ऐसे अवसर समाज को एकजुट करने और सबको समान रूप से विकास की राह पर आगे ले जाने का संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने गणपति बप्पा से यह भी प्रार्थना की कि दिल्लीवासियों पर उनकी कृपा यूं ही बनी रहे और राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रगतिशील बनाने की दिशा में मिलकर कदम आगे बढ़ाए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रभु गणेश जी का नाम स्मरण मात्र से विघ्न दूर होते हैं और नई राह खुलती है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि धैर्य, ज्ञान और परिश्रम से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। आज जब देश और समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में गणेश चतुर्थी हमें यह संदेश देती है कि एकजुट होकर और आपसी सहयोग के साथ हम हर बाधा को अवसर में बदल सकते हैं।

अनुसूचित जातियों की सुरक्षा हेतु अत्याचार निवारण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकता: डॉ. बलजीत कौर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार इस बात को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि समाज के गरीब और हाशिए पर खड़े वर्गों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न हो। यह बात सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज पंजाब भवन में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

डॉ. बलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता अनुसूचित जातियों की सुरक्षा के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना है ताकि पीड़ितों को समयबद्ध और न्यायसंगत राहत मिल सके। बैठक में विभिन्न विभागों और पुलिस द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उपस्थित विधायकों और अधिकारियों ने भविष्य की कार्य योजनाओं के लिए महत्त्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

इस अवसर पर उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों और विधायकों ने मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान तथा मंत्री डॉ. बलजीत कौर की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में योग्य अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ लगातार मिल रहा है। इसे अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के कल्याण हेतु सरकार का महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस वर्ष सरकार ने पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना अधीन 2 लाख 70 हजार एस.सी. विद्यार्थियों को योजना के अंतर्गत कवर करने का लक्ष्य रखा गया है तथा इसके लिए उपयुक्त बजट की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। बैठक में जिलावार एस.सी./एस.टी. (अत्याचार निवारण) अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा, जिला स्तरीय निगरानी समितियों की कार्यप्रणाली, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य वंचित वर्गों के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट, कानून लागू करने वाली एजेंसियों, सामाजिक न्याय विभाग और जिला प्रशासन के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने, पीड़ितों को कानूनी सहायता, मुआवजा, पुनर्वास योजनाओं तथा बजट संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार हर नागरिक को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार देने के लिए वचनबद्ध है। उच्च स्तरीय निगरानी समिति यह देखती है कि एस.सी./एस.??. अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं। बैठक का उद्देश्य प्रगति की समीक्षा, कमियों की पहचान और भविष्य की ठोस रणनीति तय करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक न्याय केवल कानूनी सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा है।

विकसित भारत का सपना शिक्षकों की तपस्या, मेहनत और मार्गदर्शन के बिना पूरा नहीं हो सकता-सूद

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बाल भारती स्कूल, पूसा रोड की चाइल्ड एजुकेशन सोसाइटी द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में पद्मश्री आनंद कुमार (Super 30) के साथ साथ स्कूल की कार्यकारिणी प्रिंसिपल और बच्चे भी उपस्थिति थे। पद्मश्री आनंद कुमार को मंत्री महोदय ने विशेष प्रेरणादायी बताया और कहा कि उनका जीवन कार्य शिक्षकों के योगदान का जीवंत उदाहरण है।

इस अवसर पर श्री सूद ने कहा कि विकसित भारत का सपना शिक्षकों की तपस्या, मेहनत और मार्गदर्शन के बिना पूरा नहीं हो सकता। समय के साथ शिक्षकों की चुनौतियाँ भी बदली हैं। ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड से लेकर कंप्यूटर और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक से शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार आया है। आज हम अ कबेस्ड शिक्षा की बात कर रहे है। लेकिन शिक्षा का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों की मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक योग्यता को बढ़ाना ही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार निजी और सरकारी दोनों स्कूलों को अपना मानती है। निजी स्कूलों के साथ कोई टकराव या मतभेद नहीं है, परंतु सरकार के लिए मध्यवर्गीय अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए फीस विनियमन कानून लागू करना आवश्यक था। जिसको सरकार ने लागू भी किया है।

मंत्री महोदय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने का जो संकल्प लिया है उस पर कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि

दिल्ली सरकार इस वर्ष 75 CM Shree स्कूल बना रही है। इन स्कूलों में कई तरह की उन्नत तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इन स्कूलों में अब्दुल कलाम लैंग्वेज लैब होगी, अक युक्त स्मार्ट क्लास होंगे, अक बेस्ड अटेंडेंस की व्यवस्था, साइंस लैब्स, इंटरैक्टिव पैनल्स सहित बुनियादी और आधुनिक सुविधाएँ होगी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी से हम मुँह नहीं मोड़ सकते बल्कि टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हम देश और समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। कृत्रिम बोद्धिकता के बारे में मंत्री महोदय ने कहा की AI का सफल प्रयोग ही एक सफल समाज की कुंजी है। यदि कृत्रिम बौद्धिकता का हम सही मायने में प्रयोग करेंगे तो वह हमारे दिन प्रतिदिन के जीवन को और अधिक विकसित बना देगा। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन सालों में दिल्ली के सरकारी स्कूल निजी स्कूलों को चुनौती देने वाले बन जाएंगे। सरकार कई स्तरों पर प्रयास कर रही है की कैसे सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाया जाए। श्री सूद ने यह भी कहा कि सरकारी स्कूलों से पढ़कर भी लोग कई ऊंचे ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं क्योंकि पहले सरकारी स्कूलों की पढ़ाई अच्छी हुआ करती थी, शिक्षक अच्छे हुआ करते थे लेकिन पिछले 27 सालों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों का जो स्तर गिरा है वह दिल्ली के छात्रों को कई वर्ष पीछे ले गया है।

श्री सूद ने कहा की वर्तमान में दिल्ली के लगभग 18 लाख विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में और उतने ही निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। हमारा लक्ष्य है कि चाहे बच्चा किसी भी स्कूल में पढ़े, उसे विश्वस्तरीय शिक्षा और समान अवसर मिले।

सम्पादकीय

आरोप-प्रत्यारोप

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है। जब पूर्व जज दो समूहों में बँटकर सार्वजनिक बयानबाजी करने लगते हैं, तो यह संदेश जाता है कि न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता केवल कागज पर बची है, व्यवहार में नहीं। यह सही है कि कोई भी व्यक्ति सेवानिवृत्ति के बाद अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। यदि कोई जज राजनीति में प्रवेश करता है, तो उसे उसी राजनीतिक धरातल पर आलोचना भी सहनी होगी। लेकिन जब बड़ी संख्या में पूर्व न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर बयान देकर किसी नेता या उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष में उतरते हैं, तो वे केवल व्यक्तियों पर असर नहीं डालते बल्कि पूरे न्यायिक समुदाय की निष्पक्षता पर संदेह खड़ा कर देते हैं। दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है। लोकतंत्र में अदालतों का सम्मान इसलिए होता है क्योंकि लोग मानते हैं कि वह राजनीति से परे हैं। यदि यह धारणा ही टूट गई, तो यह न केवल न्यायपालिका बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक होगा। अब समय आ गया है कि पूर्व न्यायाधीश अपने मतभेदों को सार्वजनिक मंच पर उछालने से बचें। व्यक्तिगत राय रखने और सार्वजनिक रूप से राजनीतिक टकराव का हिस्सा बनने में अंतर है। न्यायपालिका की गरिमा बचाए रखना केवल मौजूदा जजों का नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त जजों का भी कर्तव्य है। न्यायपालिका का सम्मान इसी में है कि वह राजनीतिक अखाड़ा न बने, बल्कि समाज के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी रहे। जहां तक पूरे विवाद की बात है तो आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में दिए भाषण में कहा था कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने अपने सलवा जुडूम निर्णय से नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। अअमित शाह का दावा था कि अगर वह निर्णय नहीं दिया गया होता तो नक्सलवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च न्यायालय के 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने अमित शाह को पत्र लिखकर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नाम लेकर हमला करने से बचने की सलाह दी। उनके अनुसार यह न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ है। इसके ठीक अगले दिन 56 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का समूह सामने आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीश और पूर्व मुख्य न्यायाधीश- पी. सदाशिवम, रंजन गोगोई, एके सीकरी और एमआर शाह शामिल थे। इन न्यायाधीशों ने अपने वक्तव्य में कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता राजनीतिक बयानबाजी की ढाल नहीं बन सकती। बयान में कहा गया कि बार-बार कुछ पूर्व न्यायाधीश राजनीति से प्रेरित होकर बयान जारी करते हैं और न्यायपालिका को पक्षपाती दिखाते हैं। बयान में कहा गया कि यदि कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजनीति में आता है (जैसे जस्टिस रेड्डी ने विपक्ष का उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनकर किया), तो उसे उसी राजनीतिक क्षेत्र में जवाब देना होगा, न कि न्यायपालिका की ढाल के पीछे छिपकर। देखा जाये तो यह प्रकरण इस बात को उजागर करता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायाधीशों की व्यक्तिगत राजनीतिक पसंद के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। अमित शाह के आलोचक पूर्व जज मानते हैं कि गृहमंत्री का बयान संस्थान की गरिमा पर चोट करता है। वहीं अमित शाह के समर्थन में खड़े न्यायाधीश कहते हैं कि समस्या आलोचना में नहीं, बल्कि पूर्व न्यायाधीशों द्वारा बार-बार राजनीतिक रंग में बयान देने में है। बहरहाल, सलवा जुडूम के फैसले को लेकर शुरू हुआ विवाद अब न्यायपालिका की छवि और स्वतंत्रता पर विमर्श का रूप ले चुका है। अमित शाह की टिप्पणी ने बहस को तेज किया, लेकिन उससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि पूर्व न्यायाधीश दो खेमों में बंटकर न्यायपालिका को ही राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रश्न उठता है कि क्या न्यायाधीशों को राजनीति में प्रवेश करने के बाद न्यायिक स्वतंत्रता की आड़ लेनी चाहिए, या फिर उन्हें उसी राजनीतिक धरातल पर खड़ा होकर आलोचना का सामना करना चाहिए?

जयंती

नारायण गुरु

जन्म-28 अगस्त, 1855; मृत्यु-20 सितम्बर, 1928) भारत के महान संत एवं समाज सुधारक थे। कन्याकुमारी में मारुतवन पहाड़ों की एक गुफा में उन्होंने तपस्या की थी। गौतम बुद्ध को गया में पीपल के पेड़ के नीचे बोधि की प्राप्ति हुई थी। नारायण गुरु को उस परम की प्राप्ति गुफा में हुई। समाज सुधारक नारायण गुरु द्वारा स्थापित 'शिवगिरि मठ' पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और उनकी समाधि केरल में सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है। नारायण गुरु को श्री नारायण गुरु के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म एझावा जाति के परिवार में हुआ था। केरल के जाति-ग्रस्त समाज में उन्हें बहुत अन्याय का सामना करना पड़ा। उन्होंने केरल में सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया, जातिवाद को खारिज कर दिया और आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता के नए मूल्यों को बढ़ावा दिया। नारायण गुरु ने मंदिरों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के माध्यम से अपने स्वयं के प्रयासों से दलितों के आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुण्यतिथि

शंखो चौधरी

जन्म-25 फरवरी, 1916; मृत्यु-28 अगस्त, 2006) भारतीय मूर्तिकार थे, जो भारत के कला परिदृश्य में एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे। यद्यपि उनका वास्तविक नाम 'नर नारायण रखा' गया था, लेकिन वे अपने घरेलू नाम 'शंखो' से अधिक व्यापक रूप से जाने जाते थे। शंखो चौधरी ने प्रसिद्ध मूर्तिकार रामकिंकर बैज से शिक्षा ग्रहण की थी, जिनसे वह पेरिस में मिले थे। शंखों चौधरी के मूर्तिशिल्प के विषयों में महिला आकृति और वन्य जीवन शामिल हैं। उन्होंने मीडिया की एक विस्तृत श्रृंखला में काम किया था। आपने लकड़ी, धातु, टेराकोटा, प्रस्तर (काला और सफेद संगमरमर) का प्रयोग किया। उनकी मूर्तिशिल्प में वक्राकार रूप प्रदान कर उनको जीवंत बनाने की। कोशिश हुई है।

कल मिलेंगे

पति-मुझे जादुई महिलाओं से शादी करनी थी।
पत्नी-जादूई औरतें कभी शादी ही नहीं करतीं।
पति-बस, मुझे यही साबित करना था...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मोदी सरकार की जनहित की शानदार पहल ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर सख्त कानून

नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून "ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025" को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया

-दीपक कुमार त्यागी

देश में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मैट्रो रेल स्टेशन, एयरपोर्ट, हाइवे, सड़क, हवाई जहाज, रेल, मैट्रो रेल, बस आदि में "पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं" जैसी टैग लाइन के साथ भ्रमित करने वाले ऑनलाइन गेमिंग ऐप का प्रचार चर्चित चहरों के साथ बड़े पैमाने पर होता नजर आता है। इन चर्चित चेहरों के प्रमोशन करने के चलते देश में करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही सट्टेबाजी, ठगी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर के अपने जीवन भर की कमाई गंवाकर मानसिक तनाव में आकर के अनमोल जीवन तक को समाप्त करने का कार्य कर रहे थे, लेकिन मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि ऑनलाइन गेम की मुख्य रूप से दो कैटेगरी मानी जाती है, पहली कैटेगरी में ई-स्पोर्ट्स जिसमें गेम खेलने के लिए किसी भी प्रकार से पैसों का आदान-प्रदान नहीं किया जाता है व दूसरी कैटेगरी में रियल मनी गेम्स में पैसों का लेन-देन होता है, दूसरी कैटेगरी पर ही मोदी सरकार ने अंकुश लगाया है। देश में इंटरनेट की सुलभता से पहुंच होने के चलते ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है, घर की चौपाल से लेकर के गली, मोहल्ले, नुक्कड़ हर तरफ ऑनलाइन गेमिंग ऐप की चर्चा सुनना अब आम बात हो गयी थी।

लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून "ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025" को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया। हालांकि देश के कुछ लोगों को इस कानून से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जिन लोगों के घर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही पैसों की सट्टेबाजी के चलते बबार्दी के कगार पर आकर खड़े हो गये हैं, इस सख्त कानून से उन लोगों के बिखरते घर-बार व कारोबार बच जायेंगे। साथ ही जो परिवार इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर चल रही सट्टेबाजी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर धन-दौलत यहां तक की परिजनों को भी खो चुकें हैं, उन परिजनों को भी संतोष मिलेगा की अब भविष्य में उनकी तरह किसी का घर-परिवार तबाह नहीं होगा।

वैसे तो देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप का बहुत बड़ा कारोबार है, देश में इसके ग्राहक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर के बड़े-बुजुर्ग तक भी हैं, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले अपने मोबाइल फोन में इन ऑनलाइन गेमिंग के विभिन्न ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन गेम खेलते हुए इनकी भयंकर लत व मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वहीं इन गेम के प्लेटफार्मों पर खुल्लमखुल्ला "पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं" जैसी आकृषित करने वाली टैग लाइन के साथ सट्टेबाजी चल रही है, इन प्लेटफार्मों पर लोग कमाई के झांसें में आकर के जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई को गंवाने का काम कर रहे थे। साथ ही देश में जिस तरह से साइबर फ्राड की घटनाएं ऑनलाइन गेमिंग ऐप के सहारे आये-दिन घटित हो रही हैं, वह चिंतित करने वाली स्थिति है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी सरकार की ऑनलाइन गेमिंग के इस कारोबार पर पैनी नजर बनी हुई थी। उसी कड़ी में वर्षों पहले ही मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों की किसी भी प्रकार की ट्रांजेक्शन पर 1 अक्टूबर 2023 में 28 प्रतिशत और वर्ष 2024-2025 में जीती गयी धनराशि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लागू कर दिया था, जिससे सरकार को लगभग 20 हजार करोड़ रुपए सालाना की भारी-भरकम धनराशि जीएसटी के रूप में मिल रही थी। ऑनलाइन गेमिंग के पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप भारत में शुरू हुए हैं, वहीं लगभग 25 हजार करोड़ निवेश हुए हैं। लेकिन मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खुलासा किया था कि भारतीय हर वर्ष लगभग 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए भारी-भरकम धनराशि इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के चक्कर में खर्च कर रहे हैं, जो बेहद ही चौंकाने वाली व चिंताजनक स्थिति है। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में हर वर्ष 45 करोड़ भारतीय 20 हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। वहीं देश में साइबर सुरक्षा पर पैनी नजर रखने वाली एजेंसियों ने भी इन ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफॉर्मों पर सख्ती कर रखी थी, इन एजेंसियों ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्राड करने वाले हजारों ऐप को बैन तक करके लोगों को ठगी से बचाने का कार्य किया है, अकेले वर्ष 2022 में ही सरकार ने 1400 से ज्यादा वेबसाइट को ब्लॉक किया था। लेकिन सरकार की लाख सख्ती के बावजूद भी ऑनलाइन गेमिंग ऐप वाले लोगों की जेब से पैसा निकालने की कुछ ना कुछ नयी तिकड़म बैठाकर के लोगों को चूना लगाने में कामयाब हो ही जाते थे।

जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी की सरकार ने लोगों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप की लूट-खसोट पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की शुरूआत की, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 19 अगस्त 2025 को "ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025" को मंजूरी देते हुए अगले दिन ही 20 अगस्त 2025 को लोकसभा व राज्यसभा में पास करवा कर के, इस विधेयक को महामहिम राष्ट्रपति से हरी झंडी मिलने की मंजूरी के लिए भेज दिया, जहां पर इस विधेयक को 22 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी की मोहर लगने का बाद यह कानून देश में लागू हो गया है। इस नये कानून के अनुसार ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों के लेन-देन वाली ट्रांजैक्शन देश में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अब देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप में रुपए-पैसों का लेन-देन उपलब्ध करने वाले लोगों को तीन वर्ष तक की कड़ी सजा और एक करोड़ रुपए तक का जुमार्ना भुगतान होगा। वहीं जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग ऐप भोले-भाले लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए आये-दिन खेल जगत के चर्चित चहरों व विभिन्न सेलिब्रिटी का सहारा लेने का कार्य करते थे, उस पर भी दो वर्ष की सजा और 50 लाख रुपए तक के जुमार्ने का प्रावधान होने से ऑनलाइन गेमिंग के प्रोमोशन पर अंकुश लगेगा। सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर बनाये प्रावधानों में यह साफ कर दिया है कि यह एक सामाजिक बुराई है, जिस पर केंद्र सरकार पूरी तरह से अंकुश लगाना चाहती है। वैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मुद्दे पर पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी यह मानता था कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई बन चुकी है, तब ही यह विधेयक लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों में महज 26 मिनट में पास हो गया।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि यह कानून देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, लेकिन उन ऑनलाइन गेमिंग ऐप को रोक देगा, जिनका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून को समाज को हानिकारक प्रवृत्तियों से बचाने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

हालांकि नये कानून के बाद देश में ऑनलाइन गेमिंग का कार्य करने वाले बहुत सारे प्लेटफार्मों ने रुपए-पैसे के लेन-देन बंद करने की घोषणा कर दी है, जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप की दुनिया में व आम जनमानस के हित में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ट्रम्प का अमेरिका भरोसेमंद नहीं, शी जिनपिंग का चीन हो सकता है और भी बुरा

भारत को उर्वरकों, दुर्लभ मृदा तत्वों और औषधि मध्यस्थों आदि का अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिए। भारत चीन से लगभग 2,000 वस्तुओं का आयात करता है। लगभग 600 वस्तुएं ऐसी हैं जिनका दो-तिहाई से अधिक आयात चीन से होता है। भारत के चीन के साथ कई असहज मुद्दे हैं, सीमा विवाद से लेकर भारत के दो कठिन पड़ोसियों-पाकिस्तान और बांग्लादेश-के साथ चीन के मजबूत सैन्य गठबंधन तक

-नन्तू बनर्जी

अमेरिका के साथ भारत के मौजूदा व्यापार शुल्क विवाद के बावजूद, भारत को चीन से आयात को और बढ़ाने में सावधानी बरतनी चाहिए। भारत पहले से ही भारी व्यापार घाटे से जूझ रहा है। चीन-भारत द्विपक्षीय व्यापार एक-दूसरे की मुद्राओं में सबसे स्वागत योग्य है, जैसा कि रूस-भारत व्यापार के मामले में किया जा रहा है, जिससे रूस से भारत के तेल आयात को काफी बढ़ावा मिल रहा है। रूस-भारत व्यापार का 90 प्रतिशत से अधिक अब रूबल और रुपये में होता है, जिससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होती है और दोनों देशों की वित्तीय संप्रभुता बढ़ती है।

साथ ही, भारत को उर्वरकों, दुर्लभ मृदा तत्वों और औषधि मध्यस्थों आदि का अपना उत्पादन बढ़ाना चाहिए। भारत चीन से लगभग 2,000 वस्तुओं का आयात करता है। लगभग 600 वस्तुएं ऐसी हैं जिनका दो-तिहाई से अधिक आयात चीन से होता है। भारत के चीन के साथ कई असहज मुद्दे हैं, सीमा विवाद से लेकर भारत के दो कठिन पड़ोसियों-पाकिस्तान और बांग्लादेश-के साथ चीन के मजबूत सैन्य गठबंधन तक। चीन, अमेरिका और भारत के बीच ताजा व्यापारिक विवाद का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। वह अमेरिकी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देकर, अमेरिका को 'धौंसिया' बताकर और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के ढांचे को बनाए रखने के लिए भारत के साथ खड़ा होकर, इसे और तूल दे रहा है। चीन एशिया में अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत-अमेरिका के मौजूदा कूटनीतिक तनाव का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उसका लक्ष्य अमेरिका-भारत संबंधों को कमजोर करना, नई दिल्ली को बीजिंग के करीब आने के लिए मजबूर करना और क्षेत्र में चीन की अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना है, खासकर वाशिंगटन की अप्रत्याशित विदेश नीति को लेकर साझा चिंताओं के संदर्भ में।

अगर भारत, अमेरिका के साथ मौजूदा तनातनी के बीच चीन की चालाकी और उसकी दोस्ती के हाथ पर भरोसा करता है, तो वह एक बड़ी भूल करेगा। अमेरिका और भारत के बीच राजनीतिक विश्वास के टूटने का चीन लाभ उठाना चाहता है। हाल ही में, नई दिल्ली की यात्रा के तुरंत बादचीनी विदेश मंत्री वांग यी की इस्लामाबाद की यात्रा ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह बढ़ते चीन-पाकिस्तान संबंधों को कहीं अधिक महत्व देता है।

वांग यी की दिल्ली यात्रा के दौरान, चीन ने ताइवान मुद्दे को अपने 'एक-चीन' संकल्प के रूप में भारत के साथ छल करने की कोशिश की और भारत को अपने समर्थन में खींचने की कोशिश की। पिछले हफ्ते, चीन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत के दौरान एक-चीन नीति से संबंधित कथित टिप्पणियों पर भारत द्वारा स्पष्टीकरण दिए जाने पर 'आश्चर्य' व्यक्त किया। भारत ने कहा है कि ताइवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और ताइवान के साथ नई दिल्ली के रिश्ते आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित हैं। यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि भारत को चीन के नवीनतम कदमों से बेहद सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भारत को 'प्रतिद्वंद्वी' के बजाय 'साझेदार' के रूप में दिखाने की कोशिश करके चीन अमेरिका-भारत व्यापार विवाद का बेतहाशा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उसने भारत के लिए महत्वपूर्ण वस्तुओं जैसे उर्वरक, दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक और औद्योगिक उपकरणों पर निर्यात प्रतिबंधों में तुरंत ढील दी। बदलाव के तौर परचीन ने अपने देश में भारतीय निवेश का स्वागत किया है और एक 'निष्पक्ष, न्यायसंगत और भेदभाव रहित व्यापार' की उम्मीद जताई है। भारत में कार्यरत चीनी उद्यमों के लिए 'एक बेहतर माहौल' की आवश्यकता पर बल देते हुए, चीनी राजदूत जू ने दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को व्यापक संबंधों से अलग देखने की आवश्यकता पर भी बल दिया और सुझाव दिया कि सीमा मुद्दे के समाधान के साथ-साथ सहयोग भी आगे बढ़ सकता है। भारत को इन परिस्थितियों से सावधानीपूर्वक निपटना होगा और अपने रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाते हुए अमेरिका और चीन दोनों के साथ संबंधों को संभालना होगा, क्योंकि वैश्विक व्यापार परिदृश्य पर दीर्घकालिक प्रभाव अनिश्चित बना हुआ है।

हालांकि, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हाल ही में पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ मजबूत संबंध बनाए रखते हुए चीन आज भारत के साथ राजनयिक संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शीजिनपिंग ने 23 अक्टूबर 2024 को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की। सीमा मुद्दों को व्यापक रूप से सुलझाने और दोनों देशों के बीच संबंधों को स्थिर करने के लिए कदम उठाने हेतु महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकों के लिए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी यात्राएं की हैं। फिर भी, भारत के साथ व्यवहार करने के दृष्टिकोण में चीन के सुविचारित बदलाव, विशेष रूप से अमेरिका-भारत व्यापार विवाद के बाद, के प्रतिभारत के लोगों को चीन के इरादों को लेकर कुछ हद तक संशय है, खासकर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी के उद्गम पर एक विशाल बांध बनाने जैसी बीजिंग की कई गतिविधियों को लेकर, जो भारत में प्रवेश करने से पहले चीन से होकर आता है जिसके प्रवाह को चीन नियंत्रित करेगा। पाकिस्तान में मसूद अजहर जैसे आतंकवादी नेताओं को वहां इस्लामी नेटवर्क का समर्थन करने के लिए चीन संरक्षण देता रहा है। अब डर है कि बीजिंग चुपचाप बांग्लादेश में भी कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे सकता है। ऐसी गतिविधियां भारत की आर्थिक जीवनरेखा और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। भारत को व्यापारिक और कूटनीतिक विकल्पों का सावधानीपूर्वक प्रयोग करना चाहिए।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अफगानिस्तान में 5.6 तीव्रता का भूकंप, हिंदूकुश क्षेत्र में भी महसूस किए गए झटके

(एजेन्सी)। **यूरोपीय-भूमध्यसागरीय** भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) ने बताया कि बुधवार को अफगानिस्तान में 5.6 तीव्रता का भीषण भूकंप आया और झटके हिंदूकुश क्षेत्र में महसूस किए गए। ईएमएससी ने बताया कि भूकंप 121 किलोमीटर (75 मील) की गहराई पर था और इसका केंद्र लगभग 108,000 की आबादी वाले शहर बगलान से 164 किलोमीटर पूर्व में था। गौरतलब है कि ईएमएससी ने सबसे पहले 6.4 तीव्रता के भूकंप की सूचना दी थी। इससे पहले तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई में था। इससे पहले 7 जनवरी 2025 को तिब्बत के डिंगरी काउंटी (टिंगरी) में भयानक भूकंप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई थी। संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वे ने इसे 7.1 तीव्रता का बताया था। इस भूकंप की चपेट में आने से कम से कम 126 लोग मारे गए थे और लगभग 188 लोग घायल हुए थे। 3,600 से अधिक घर तबाह हो गए थे और हालात को देखते हुए लगभग 46,000 लोगों को स्थानांतरित किया गया था। तिब्बत के अलावा भूकंप के झटके नेपाल, भूटान और भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी महसूस हुए थे।

सीरिया की राजधानी पर इजरायल ने किया हाहाकारी हमला, छह सैनिकों की मौत

(एजेन्सी)। **सीरियाई** राजधानी दमिश्क के दक्षिणी उपनगर पर इजराइली ड्रोन हमलों में छह सैनिक मारे गए और अन्य घायल हो गए, सरकारी मीडिया और एक युद्ध निगरानी एजेंसी ने बुधवार को बताया। सरकारी समाचार एजेंसी अल-इखबरिया ने बताया कि नवीनतम ड्रोन हमले दमिश्क के दक्षिणी उपनगर किस्वा में हुए और छह सैनिक मारे गए, हालाँकि उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। दिसंबर में बशर अल-असद के पतन के बाद से इजराइल ने देश के विभिन्न हिस्सों पर सैकड़ों हवाई हमले किए हैं, जिससे सीरियाई सेना की संपत्ति नष्ट हुई है।

ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि हमले उस स्थान पर हुए जो दमिश्क को दक्षिणी प्रांत स्वेदा से जोड़ता है, जहां पिछले महीने सरकार समर्थक बंदूकधारियों और सीरिया के द्रूज अल्पसंख्यक लड़ाकों के बीच घातक झड़पें हुई थीं। पिछले महीने हुई लड़ाई के दौरान इजराइल ने ड्रूज समुदाय के पक्ष में हस्तक्षेप किया था। ड्रूज इजराइल में एक बड़ा समुदाय है, जहाँ उन्हें एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है और वे अक्सर इजराइली सेना में सेवा करते हैं। ऑब्जर्वेटरी ने आगे बताया कि मंगलवार को जिस इलाके पर हमला हुआ, वहाँ लगभग नौ महीने पहले असद के पतन से पहले उनकी सेना की सैन्य चौकियाँ थीं।

ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि इस इलाके में कई हमले हुए, जिनमें से एक पैरामेडिक्स के पहुँचने के बाद हुआ। इसमें बताया गया कि मारे गए छह सैनिकों के अलावा, तीन लोग घायल भी हुए हैं। इससे पहले अल-इखबरिया और ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, दक्षिणी शहर कुनेत्रा के पास एक इजराइली ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने कुनेत्रा के पास हुए इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए खतरा है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की दावेदारी को कैबिनेट से मंजूरी

(एजेन्सी)। **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी को मंजूरी दे दी और विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सहमति जताने के कुछ दिन बाद ही यह फैसला आया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है। पीआईबी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इसमें कहा गया , कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी। दावेदारी के लिये बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है।

आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी।

कनाडा के वित्तीय कारणों से पीछे हटने के बाद भारत की मेजबानी की संभावना प्रबल हो गई है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी पीआईबी के बयान में कहा गया कि अहमदाबाद खेलों की मेजबानी के लिये आदर्श शहर होगा। इसमें कहा गया , अहमदाबाद में विश्व स्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधायें और खेल संस्कृति है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी 2023 क्रिकेट विश्व कप फाइनल का सफल आयोजन हो चुका है।

भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की भी इच्छा जता चुका है और उसके लिये भी अहमदाबाद दौड़ में अग्रणी है। इसके लिये बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल खेल एंक्लेव प्रमुख वेन्यू में से एक है जिसमें निर्माण कार्य चल रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं और सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय व्यवसायों को बढावा मिलेगा और राजस्व पैदा होगा।

विज्ञप्ति में कहा गया, इसके अलावा खेल विज्ञान, इवेंट प्रबंधन, लॉजिस्टिक और परिवहन समन्वयक, प्रसारण और मीडिया, आई टी, संचार और जनसंपर्क जैसे कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को मौका मिलेगा। सरकार का मानना है कि इतने बड़े आयोजन की मेजबानी से राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बल मिलेगा।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि, इससे देश का मनोबल बढेगा। इससे नयी पीढी के खिलाड़ियों को कैरियर के विकल्प के तौर पर खेलों में हाथ आजमाने की प्रेरणा मिलेगी और सभी स्तरों पर खेलों में भागीदारी बढेगी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लास्गो में होंगे जिसमें कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल नहीं है। ग्लास्गो सारे खेल करीब 12 किलोमीटर के दायरे में कराना चाहता है और उसने बजट 1300 करोड़ रुपए के करीब ही रखा है। आईओए ने साफ तौर पर कहा है कि अगर भारत को 2030 खेलों की मेजबानी मिलती है तो ये सभी खेल उसमें शामिल होंगे। भारत ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर 70000 करोड़ रुपए खर्च किये थे जबकि मूल बजट 1600 करोड़ रुपए का था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 87.69 पर बंद हुआ

(एजेन्सी)। **अमेरिका** द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू करने की योजना पर मसौदा नोटिस जारी करने के बाद कमजोर घरेलू बाजारों के चलते मंगलवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 87.69 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि 27 अगस्त से प्रभावी होने वाले भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क को लेकर चिंताओं के कारण रुपये की गति धीमी पड़ गई, जिसके बाद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग बढ़ी।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.74 पर खुला, और फिर दिन में कारोबार के दौरान इसने 87.63 के ऊपरी और 87.80 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 87.69 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ 87.56 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा और कमोडिटी) अनुज चौधरी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क (25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क सहित) 27 अगस्त से लागू होंगे और अगर शांति वार्ता में कोई प्रगति नहीं होती है तो रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर और अधिक शुल्क लगाए जाएंगे, जिससे कमजोर घरेलू बाजारों के कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया टूट गया। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है। अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा, जिससे झींगा मछली, परिधान, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे कई श्रम-प्रधान निर्यात क्षेत्रों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

गणेश चतुर्थी पर एक साथ दिखे गोविंदा और सुनीता

(एजेन्सी)। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के तलाक की खबरें कुछ समय से चल रही थीं। लेकिन, गणेश चतुर्थी पर दोनों ने अपने बेटे यशवर्धन के साथ मिलकर इस अफवाह को गलत साबित कर दिया। तलाक की खबरों का खंडन करते हुए सुनीता ने कहा, 'अगर कुछ हुआ होता, तो आज हम इतने करीब नहीं होते। हमें कोई अलग नहीं कर सकता। मेरा गोविंदा सिर्फ.मेरा है। जब तक हम कुछ न कहें, कृपया इस बारे में कुछ न बोलें।' उन्होंने यह भी बताया कि गोविंदा के करियर की शुरूआत से ही उनके घर में गणपति की स्थापना की परंपरा रही है। सुनीता ने बताया कि इस साल उनके बेटे यशवर्धन की फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है, इसलिए उन्होंने यशवर्धन से गणपति की स्थापना करवाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनका बेटा भी अपने पिता की तरह नाम, सम्मान और प्यार कमाएगा। पिछले साल दिसंबर में सुनीता द्वारा बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर करने की अपुष्ट खबरें सामने आई थीं, जिसने इन अफवाहों को और हवा दी। लेकिन, गणेश चतुर्थी के दौरान परिवार की एकजुटता ने इन सभी खबरों पर विराम लगा दिया। गोविंदा और उनके परिवार ने इस मौके पर बाहर जमा हुए पत्रकारों को मिठाइयां भी बांटी।

ऑफिस यूनिफॉर्म में भी ट्रेंडी लुक के लिये टिप्स

ऑफिस का यूनिफॉर्म पहनने का अर्थ यह नहीं है कि आप भी दूसरों जैसे ही दिखें! कई ऑफिस में यूनिफॉर्म पहनना पड़ता है। इस कारण अच्छा दिखने के लिए आप कपड़ों के साथ अलग अलग प्रयोग नहीं कर पाते। क्या आपको आश्चर्य हो रहा है कि आप यूनिफॉर्म में भी कैसे ट्रेंडी दिख सकते हैं? जानकारी के लिए पढ़ें। जब आपको ऑफिस में यूनिफॉर्म पहनना होता है तो अलग दिखना थोडा कठिन होता है। परंतु उसी समय यह भी निश्चित है कि आप अपने सहयोगियों से कुछ अलग दिखना पसंद करेंगे।

अपने व्यवसाय की गरिमा को धक्का लगाए बिना मेकअप करना भी एक कला है। आपकी शैली आपके व्यवसाय को परिलक्षित करती है तथा कुछ मामलों में यह आपकी क्षमता के स्तर का भी सूचक होती है। यदि आपको आश्चर्य होता है कि ऑफिस यूनिफॉर्म में आप कैसे ट्रेंडी दिख सकते हैं तो ये आसान और प्रभावी उपाय अपनाएँ ताकि आप ऑफिस में कुछ अनोखी और अलग दिखें। इससे आप बेहतर दिखेंगी।

एसेसरीज़ यदि आपके ऑफिस यूनिफॉर्म के साथ एसेसरीज़ पहनने पर कोई पाबंदी नहीं है तो आप विभिन्न शैली की एसेसरीज़ के साथ प्रयोग कर सकती हैं। विभिन्न प्रकार के हल्के आभूषण और एसेसरीज़ पहनें जो पहली नज़र में ही सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर ले। डिज़ाइनर बैग्स एक अलग बैग की चमक का स्थान कोई नहीं ले सकता। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका ऑफिस का यूनिफॉर्म कितना फीका है; यदि आप एक स्टाइलिश डिज़ाइनर बैग चुन सकते हैं तो भी आप अलग और आकर्षक दिख सकते हैं। यदि आप उच्च पेशेवर हैं तो कुछ अलग डिज़ाइन वाले ऑफिस बैग्स खरीदें। यह एक रोचक सलाह है जिसका उपयोग आप कर सकते हैं। हेयरस्टाइल आपकी शैली को व्यक्त करने में आपकी हेयरस्टाइल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक ही हेयरस्टाइल करने के बजाय विभिन्न प्रकार की हेयरस्टाइल करें। ऐसा न सोचें कि केवल बाल कटवाकर ही आप अपनी हेयरस्टाइल बदल सकती हैं। आप अलग अलग तरीके से कंघी करके, बालों को अलग प्रकार से बांध सकती हैं। आप हेयर कलर का भी प्रयोग कर सकती हैं परन्तु इस बात का ध्यान रखें कि यह अजीब न दिखे। घड़ी इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके ऑफिस का यूनिफॉर्म क्या है, एक अच्छी घड़ी आपको लग दिखने में मदद करती है। जहाँ पुरुष ब्रांडेड घड़ियाँ पहनना पसंद करते हैं वही महिलायें सस्ती परन्तु आधुनिक घड़ियाँ पहनना पसंद करती हैं। घड़ी पहनने के उद्देश्य के अलावा घड़ी आपकी गरिमा को भी प्रदर्शित करती है।

10 मिनट में दिखें जवां

बीबी क्रीम - बीबी क्रीम महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों के लिए 'मस्ट हैव' बनती जा रही है। ये न सिर्फ चेहरे के दाग धब्बे छुपाता है बल्कि टोंड त्वचा पाने में भी मदद करता है। बीबी क्रीम इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसके साथ आपको कुछ और इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ती।

अंडर आई क्रीम-आंखों के नीचे के एरिया से बढ़ती उम्र और तनाव का पता चलता है। इसे ठीक करने के लिए सबसे पहले अच्छी नींद और अच्छा खानपान शुरू करना होगा। इसके साथ रोजाना अंडर आई क्रीम का इस्तेमाल करना होगा जो आपको फ्रेश और यंग लुक देगा।

हेयर वॉल्यूम स्प्रे -बाल पतले होना काफी गंभीर समस्या है जो आज हर वर्ग के लोगों को है। पतले बाल आपको उम्र से पहले ही बूढ़ा बना देते हैं, इस समस्या से समाधान के लिए आपको एक अच्छे हेयर वॉल्यूम स्प्रे की जरूरत है। ये बालों को बाउंस और वॉल्यूम देते हैं। इसे इस्तेमाल करने के बाद पानी और बारिश से बचें।

एंटी ऐजिंग प्रोडक्ट -एंटी ऐजिंग क्रीम, फेसवॉश और मॉइस्चरीजर बढ़ती उम्र वाले लोगों के लिए आइडियल उत्पाद हैं। ये आपकी त्वचा को टाइट करते हैं और चेहरे में निखार आता है।

फेस मिस्ट -तैयार होने के बाद आपके चेहरे पर ताजगी बनी रहे उसके लिए 'फेस मिस्ट' परफेक्ट कॉस्मेटिक उत्पाद है। ये आपके चेहरे पर 'सीलिंग एजेंट' की तरह काम करते हैं।

महिलाओं को ब्लड प्रेशर की समस्या में जरूरी है नारियल पानी

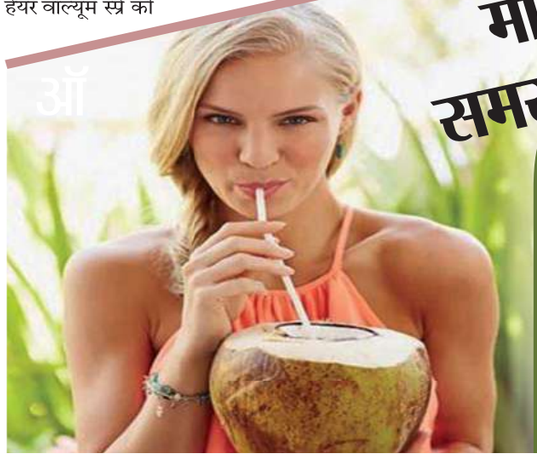

नारियल पानी दोनों का अपना ही मजा है। नारियल पानी सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इसके अंदर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व आपके शरीर के लिए फायदेमंद तो होते ही है, लेकिन ये कई बीमारियों को भी आपसे कोसों दूर रखता है। नारियल पानी के कई ऐसे फायदे भी होता है जो आपके शरीर के लिए बेहद जरूरी भी होता है।

नारियल पानी के फायदेः

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में नारियल पानी काफी मदद करता है। नारियल पानी में मौजूद विटामिन सी, पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड प्रैशर को कंट्रोल रखता है। नारियल पानी में कम कैलोरी होने की वजह से ये वजन घटाने में भी आपकी मदद करता है। नारियल पानी में पोटेशियम, मैग्नीज, सोडियम, कैल्शियम के अलावा प्रोटीन और फाइबर भी होता है।

बढ़ती गर्मी की वजह से आपका एनर्जी लेवल काफी कम हो जाता है। इसमें इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। नारियल पानी आपको ठंडक देने के साथ ही एनर्जी लेवल को भी बढ़ाता है।

निमोनिया-डायरिया न बने जानलेवा

बीमारियों के बारे में-

समझें इसके लक्षण

निमोनिया व डायरिया वैसे तो सामान्य बीमारियां मानी जाती हैं लेकिन भारत में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सर्वाधिक मृत्यु इन रोगों के कारण ही हो रही है। भारत में वर्ष 2015 में ही करीब 3 लाख बच्चों को इनके कारण जान गंवानी पड़ी है। हाल ही एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक रोग के लक्षणों को न समझ पाना व सही समय पर उपचार न मिल पाना इसकी वजह हैं। जानते हैं इन बीमारियों के बारे में-

प्रमुख कारण

डायरियाः दूषित भोजन व पानी, साफ-सफाई की कमी, छह माह तक ब्रेस्ट फीड कम कराना।

निमोनियाः बैक्टीरिया के संक्रमण, वातावरण में प्रदूषण, कुपोषण आदि।

लक्षणों से करें पहचान

डायरियाः बार-बार दस्त, अत्यधिक प्यास, आंखें चढ़ना, कम यूरिन, जीभ सूखी व हाथ-पैर ठंडे पडना आदि। परेशानी बढने पर रक्तसंचार बाधित होकर अंग में विकार भी आ सकता है।

निमोनियाः जुकाम, बुखार, सांस लेने में दिक्कत। गंभीर स्थिति में बेहोशी, दौरे किसी अंग में विकार या जान भी जा सकती है।

निमोनिया में रखें खयाल

डेढ, ढाई और साढ़े तीन माह में एच इनफ्लूएंजा व न्यूमोकोकल का वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।

दिन में कमरे की खिड़कियां आदि खोलकर रखें ताकि दूषित वायु बाहर निकल सके।

बच्चे को पोषक तत्त्वों से भरपूर आहार जैसे फल, हरी सब्जियां, दूध व दूध से बने पदार्थ दें।

कुछ बनाते या खिलाते समय साफ-सफाई का विशेष खयाल रखें।

अधिक मसालेदार व तली-भुनी चीजें खाने को न दें।

जुकाम, बुखार के साथ यदि सांस की गति तेज हो तो देर किए बगैर विशेषज्ञ से परामर्श करें।

डायरिया से बचाव के लिए

छह माह तक बच्चों को केवल ब्रेस्ट फीड करवाएं। इसके अतिरिक्त कुछ भी न दें। इससे उसे शरीर के मुताबिक पोषण मिलता रहेगा।

नवजात को रोटावायरस का टीका ढाई व साढ़े तीन महीने पर जरूर लगवाएं।

हरी-सब्जियां, फैट, कार्बोहाइडेट, प्रोटीन, मिनरल्स कैल्शियम व आयरन से भरपूर चीजें दें।

कुछ बनाते समय साफ-सफाई का ध्यान रखें। ताजा चीजें ही खिलाएं, बासी या रखी हुई न दें।

फल देते समय अच्छे से धोएं व खुला रखा जूस, दूध या कोई अन्य पदार्थ न दें।

बच्चा कुपोषित कब?

कुपोषित बच्चों में निमोनिया के गंभीर होने की आशंका ज्यादा रहती है। हम अक्सर इस शब्द का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन इसके वास्तविक पैमाने के बारे में नहीं जानते। विशेषज्ञ के मुताबिक जिन बच्चों का वजन उम्र के अनुसार न होकर 20 प्रतिशत तक कम हो, साथ ही हाथ-पैर पतले हों तो उन्हें इस श्रेणी में रखा जाता है।

कितना होना चाहिए वजन

नवजात :	2.5-3.5 किलो
6 माह :	7.5-8.5 किलो
1 साल	9-10 किलो
2 साल	11-12 किलो
3 साल	13-14 किलो
4 साल	15-16 किलो
5 साल	19-20 किलो

स्टैमिना क्यों कम होता है

आपने कई लोगों को कहते सुना होगा कि उनका स्टैमिना बहुत कम या फिर बहुत अच्छा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका मतलब क्या होता है? आइए, हम आपको बताए कि क्या होता है स्टैमिना -

स्टैमिना का मतलब है आपके शरीर की उर्जा व आपके आंतरिक बल से। सामान्य शब्दों में कहे तो स्टैमिना अर्थात व्यक्ति द्वारा किसी भी काम को मानसिक या शारीरिक रूप से लंबे समय तक जारी रख पाना। वैसे आमतौर पर अधिकांश लोग स्टैमिना से शारीरिक कार्यों को करने की क्षमता ही समझते है।

* थोड़ी दूर तक चलने में या कुछ ही सीढ़ियां चढ़ते वक्त थकान लगना।
* बिना मेहनत किए पसीना आना।
* भूख नहीं लगना।
* हर वक्त खुद को थका हुआ महसूस करना और चक्कर आना।
* आंखों के सामने कभी-कभी धुंधलापन छा जाना।
* किसी काम को करने में मन न लगना।
* हाथों और पैरों में दर्द महसूस होना।
* अधिक नींद आना।

■ **नींद की कमी** – जो लोग रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं ले पाते हैं, उनके शरीर की ताकत धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिससे उनका किसी काम में मन भी नहीं लगता।

■ **पानी कम पीना** – हमारे शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है, ऐसे में अगर शरीर में पर्याप्त पानी नहीं होगा तो भी स्टैमिना कम होने लगता है, इसलिए जरूरी है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिते रहें।

■ **कार्बोहाइड्रेट की कमी** – क्या आपको पता है कि कार्बोहाइड्रेट का सेवन ही शरीर को सबसे ज्यादा एनर्जी देता है। ऐसे में अपने खान-पान में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को संतुलित रखें।

फेफड़ों को नेचुरल तरीके से करें क्लीन

न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट न सिर्फ आपके हेल्थ और वजन के लिए अच्छी होती है बल्कि इनका काम आपको कई सारी गंभीर बीमारियों से भी दूर रखना है। इतना ही नहीं न्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड आइटम्स वायु प्रदूषण के खतरे को कम कम आपके फेफड़ों को हेल्दी बनाए रखने का काम करते हैं। तो आज हम ऐसे ही कुछ नेचुरल फूड आइटम्स के बारे में जानेंगे।

मिर्च : मिर्च विटामिन सी से भरपूर होते हैं जो आपके फेफड़ों की सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद है। विटामिन सी एक ऐसा असरदार एंटीऑक्सीडेंट होता है जो गंभीर फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए रामबाण इलाज है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि विटामिन सी बॉडी से सभी टॉक्सिन्स और फ्री रेडिकल्स को रिमूव करने का काम करता है। जिससे बॉडी के साथ लंग्स भी रहते हैं सुरक्षित।

चुकंदर :चुकंदर में ढेर सारे विटामिन्स और खनिज होते हैं। ये प्राकृतिक शुगर का स्रोत है और इसमें आयरन, सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम आदि भी पाए जाते हैं। चुकंदर कफ बलगम निकालकर सांस की नली को साफ रखता है। मतलब इसका सेवन शरीर के लिए तो फायदेमंद है ही साथ ही ये हमारे फेफड़ों के लिए भी। इसलिए रोजाना चुकंदर का किसी न किसी रूप में सेवन करें।

सेब: फाइबर और विटामिन्स से भरपूर और कैलोरी की कम मात्रा लिए हुए सेब के रोजाना सेवन से आप न सिर्फ डॉक्टर के पास जाने से बचे रहेंगे बल्कि ये आपके श्वसन तंत्र को भी दुरुस्त रखने का काम करता है। सेब में पाया जाने वाला एक खास तरह का फ्लेवोनॉयड क्वरसिटिन फेफड़ों को साफ करने में मदद करता है।

सब्जियां : कुछ सब्जियां जैसे पत्तागोभी, ब्रोकली, गोभी, काले, स्प्राउट्स बहुत ही सेहतमंद ऑप्शन्स होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ये सब्जियां स्किन के साथ ही फेफड़ों के लिए भी काफी अच्छी होती हैं। तो कोशिश करें इनका ज्यादा से ज्यादा सेवन करने की जिससे आपके फेफड़े आसानी से सांस ले सकें।

मेडिटेशन को करें अपनी दिनचर्या में शामिल

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे...

▸▸ मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

▸▸ अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।

▸▸ यदि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।

▸▸ गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।

▸▸ निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

▸▸ हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।

▸▸ मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।

▸▸ दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।

▸▸ शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

▸▸ चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।

▸▸ रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रातःकाल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।

▸▸ ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।

▸▸ महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

आज की रेसिपी

खुबानी रेसिपी

यह किसी भी फेस्टिवल सीजन के लिए एकदम परफेक्ट है, जिसमें आपको खुबानी, अंजीर और प्रून्स का स्वाद मिलता है यह एक पारंपरिक खुबानी रेसिपी है.

सामग्री :

- 300 ग्राम खोया, कद्दूकस किया हुआ
- 200 ग्राम खूबानी (सूखा बीज रहित, भिगोया हुआ और कटा हुआ)
- 200 ग्राम प्रून्स (सूखा बीज रहित, लथपथ और कटा हुआ)
- 200 ग्राम अंजीर सूखा
- 50 ग्राम बादाम पाउडर
- 30 ग्राम गुड़
- 20 ग्राम पिस्ता (बारीक स्लाइस)
- 10 ग्राम चिरौंजी
- 1 टी स्पून हरी इलायची पाउडर
- 25 ग्राम घी

विधि :

▸▸ खुबानी को एक घंटे के लिए भिगोने के बाद नरम होने तक उबालकर बारीक काट लें.

▸▸ सूखे प्रून्स को भी एक घंटे भिगोने के बाद नरम होने तक उबालकर बारीक काट लें.

▸▸ सूखे अंजीर को एक घंटे के भिगोने के बाद छानकर पतली प्यूरी बना लें.

▸▸ पिस्ते को छीलकर स्लाइस में काट लें. बादाम को हल्का उबालकर ज्छील लें और बारीक पाउडर बना लें.

▸▸ अब एक पैन में घी गरम करें. इसमें अंजीर की प्यूरी डालें और इसे गाढ़ा होने तक पकाएं.

▸▸ इसमें कटा हुआ अंजीर और प्रून्स डालकर 15 मिनट तक पकाएं.

▸▸ अब इसमें कददूकस की हुआ गुड़ डालें और 2 से 3 मिनट के बाद बादाम पाउडर डालें.

▸▸ इसके बाद कददूकस किया हुआ खोया डालें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पकाएं. इसे लगातार चलाते हुए इसमें हरी इलाइची पाउडर डालें.

▸▸ इसमें गाढ़ापन आने दें और इसे बर्फी की तरह सेट होने दें.

▸▸ चिरौंजी को ड्राई रोस्ट करें. इस मिश्रण को किसी चकोर ट्रे में अच्छी तरह फैलाएं.

▸▸ इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें और अपने मनचाहे आकार में काट लें.

चेहरे पर आएगा बिना मेकअप के ग्लो

चेहरे की रंगत अगर फीकी पड़ जाए तो लड़कियां परेशान हो जाती हैं। हर लड़की चाहती है कि उसका चेहरा बेदाग, गोरा और चमकदार बना रहे। मगर धूल-मिट्टी और बढ़ते प्रदूषण के कारण चेहरे की रंगत को बरकरार रख पाना काफी मुश्किल हो जाता है। वहीं, इन दिनों लॉकडाउन की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम भी काफी बढ़ गया है, जिससे लैपटॉप से निकलने वाली घातक किरणें स्किन को अंदर से खराब कर देती हैं। यदि आप भी अपने चेहरे पर कील-मुंहासों के दाग, टैनिंग और झाइयों के कारण परेशान हैं और चेहरे के नूर को दोबारा वापस लाना चाहती हैं, तो एक्सपर्ट की सलाह आपके बड़े काम की हो सकती है। जी हां, एनबीटी ने अपने पाठकों के लिए कुछ ब्यूटिशन से बात की है, जो आपको ऐसे ब्यूटी टिप्स देंगे, जिसको आजमा कर आपकी स्किन दोबारा चमकदार और हेल्दी बन सकती है।

कच्चा आलू

आलू के इस्तेमाल से स्निक से डार्क स्पॉट्स, पिग्मेंटेशन और टैनिंग की परेशानी दूर होती है। यही नहीं अगर आपकी स्किन से ग्लो चला गया है तो भी आलू का फेस मास्क काफी काम आता है।

कच्चे आलू को घिसकर चेहरे पर स्क्रब की तरह लगाएं। फिर दूसरे दिन कच्चा दूध लगाएं। इससे त्वचा के दाग हल्के हो जाते हैं। कद्दूकस किया हुआ खीरा त्वचा की क्लींजिंग और टोनिंग करता है।

नारियल पानी

त्वचा के दाग दूर करने के लिए नारियल का पानी बहुत कारगर हैं। नारियल पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर उसे आइस ट्रे में डालकर बर्फ जमा दें। फिर रोज एक टुकड़ा निकल कर हल्के हाथों से चेहरे पर मलें। 10 मिनट बाद पानी से धो लें। नारियल के पानी में कैरोटिन होता है, जो त्वचा की ऊपरी परत को हटाकर नई त्वचा विकसित करता है।

नींबू

नींबू प्रकृति का वरदान है, यह ब्यूटी ही नहीं बल्कि हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद है। खाली पेट नींबू, पानी और शहद पीने से आपका मेटाबॉलिजम ठीक रहता है वहीं स्किन पर नींबू लगाने से यह दागरहित, सॉफ्ट बनती है और रंगत भी निखरती है। नींबू को शहद में मिलाकर स्किन पर लगाएं, इससे आपकी स्किन सॉफ्ट होगी और रंगत में निखार आएगा।

नींबू का इस्तेमाल करते वक्त ध्यान रखें कि यह एसिडिक होता है इसलिए इसे स्किन पर कभी डायरेक्ट न लगाएं। इसे डाल्यूट करने के लिए गुलाबजल, या ऊपर बताई गई चीजों के साथ मिलाकर ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा स्किन पर नींबू का इस्तेमाल करने के बाद धूप में न निकलें।

नारियल तेल और कपूर

धूल-मिट्टी, प्रदूषण के कारण त्वचा पर दाने और कील-मुंहासे आ जाते हैं। नारियल तेल में एक टिकिया कपूर मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं । 10 मिनट बाद पानी से धो लें। कच्चे दूध से रोज सुबह चेहरा साफ करने से दाग दूर होते हैं। यह उपाय अल्टरनेट दिन में एक महीने तक आजमाएं।

मलाई और हल्दी

एक टीस्पून दूध की मलाई में एक चुटकी हल्दी पाउडर और 1/4 चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से गोलाई में मलें। फिर ऐसे ही छोड़ दें। बीस मिनट बाद चेहरा हलके गुनगुने पानी या ताजे पानी से धो लें। इसे रोजाना दो महीने तक करने से रंगत साफ होगी और दाग भी दूर हो जाएंगे।

फ्रूट पैक का करें नियमित इस्तेमाल

फलों में ऐंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट तो करते ही हैं, दाग-धब्बे भी हल्के करते हैं। फ्रूट पैक के लिए मसला हुआ आधा पका केला, मसला हुआ एक टुकड़ा पका पपीता में आधा चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर रोज सुबह व रात में सोने से पहले लगाएं। 20 मिनट बाद पानी से धो लें।

भाजपा अर्बन मण्डल की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, सेवा पखवाड़ा में समाजहित के कार्य करने का लिया संकल्प

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भाजपा जिला करनाल के अर्बन मण्डल की कार्यकारिणी बैठक मंगलवार को मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना की अध्यक्षता में कृष्णा मंदिर सेक्टर-14 में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

भारत भूषण जुआल ने पदाधिकारियों व कार्यकताओं को सेवा पखवाड़ा में देशहित और समाजहित के कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाएं, बच्चों को अच्छे संस्कार दें, बुजुर्गों का सम्मान करें और गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में जागरूकता लाने के लिए एक-दूसरे का सम्मान करना बेहद जरूरी है। जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने संगठन को मजबूत करने पर बल दिया और सभी कार्यकताओं से प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को सुनने व उससे प्रेरणा लेने की अपील की।

बैठक में मंडल प्रभारी मदन गुर्जर, पालक रेनू बाला गुप्ता, पूर्व मंत्री शशीपाल मेहता, रमेश, निर्मला बैरागी, चेयरपर्सन मेघा भंडारी, जिला महामंत्री मानव पुरी, संजीव बजाज, राजेश गोयल, उपाध्यक्ष अल्का चौधरी सहित अर्बन मण्डल की पूरी टीम मौजूद रही।

ड्रीम्स वर्ल्ड डांस प्लैनेट द्वारा आयोजित 'डांस रेवोल्यूशन' शो में बच्चों ने दिखाए हुनर

संजना भारती संवाददाता

पंचकूला। पंचकूला के सेक्टर 5 में स्थित यवनिका गार्डन ओपन एयर थिएटर में ड्रीम्स वर्ल्ड डांस प्लैनेट के संस्थापक चंद्रकेश सर द्वारा "डांस रेवोल्यूशन सीजन 7" डांस कंपटीशन का आयोजन किया गया। इस शो में पंचकूला, चंडीगढ़, मोहाली, अंबाला, कालका और पिंजौर से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा के अनुसार प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर अनेकों डांस अकैडमी के कोरियोग्राफर इस आयोजन में पहुंचे। द डांस प्लेनेट दीनानाथ, फौजी डांस स्टूडियो सोनिया, स्टेप ओन विट अक्षित, आर्यन डांस स्टूडियो रान, आकाश, सुमित डांस स्टूडियो से सुमित ने शिरकत की। इस अवसर पर आयोजक चंद्रकेश ने जानकारी देते हुए कहा,हमारा उद्देश्य बच्चों और वयस्कों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां वे अपनी डांस, मॉडलिंग और गायन की प्रतिभा को निखार सकें और अपने शहर, गांव और देश का नाम रोशन कर सकें। इसके साथ ही इस आयोजन में बतौर ज्यूरी विशाल सैनी, मास्टर मैक व अलका श्रीवास्तव, बतौर स्पेशल गेस्ट सीमा ठाकुर व मीडिया पार्टनर व स्पेशल गेस्ट विजेश शर्मा पहुंचे।

इस आयोजन में मंच का संचालन विजेश शर्मा ने किया। वही इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की सभी ने चंद्रकेश को बधाई दी। आयोजक चंद्रकेश ने सभी अतिथियों का आयोजन में पहुंचने पर धन्यवाद किया।

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर एसडीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कलायत। एसडीएम अजय हुड्डा ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और अभियान के सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य कलायत शहर को सुंदर बनाना है। इसलिए आमजन की सहभागिता बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले अधिकारी व कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों को साफ करना सुनिश्चित करें। इसके बाद अभियान के तहत जारी शेड्यूल अनुसार कार्य करें और कोई भी लापरवाही न बरती जाए। अभियान के तहत हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान को स्वच्छ बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करें। कूड़ा-कचरा प्रबंधन के लिए प्लान बनाया जाए और आमजन को भी इस संदर्भ में जागरूक भी किया जाए। गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करना है, ताकि इसके प्रबंधन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पडे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाली पड़े प्लाटों से कूड़े का उठान करना सुनिश्चित किया जाए। पार्कों की साफ-सफाई भी निरंतर जारी रखें, जहां कहीं कमी नजर आ रही है, उसे कमी को दूर किया जाए। सुलभ शौचालयों की सफाई अच्छे से करवाई जाए, कहीं भी गंदगी का आलम नजर नहीं आना चाहिए।

पौधा रोपण अभियान में भी गति लाते हुए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाएं। सफाई कर्मचारियों को दस्ताने व मास्क आदि उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि वे स्वयं स्वस्थ रहें और इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने बेसहारा पशुओं का प्रबंधन करने के लिए भी निर्देश जारी किए। इस मौके पर संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर खानपुर प्रखंड क्षेत्र के रेबरा चौक पर भगवान गणपति बप्पा की बड़े धूमधाम से की जा रही है पूजा अर्चना

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर/खानपुर। प्रखंड क्षेत्र के रेवड़ा चौक पर गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणपति बप्पा की पूजा अर्चना बड़े ही धूम धाम से की गई।

वही श्रद्धालुओं ने सर्व प्रथम 151 कन्याओं के साथ एक कलश शोभा यात्रा निकली जो रेवड़ा चौक से जगदीशपुर होते हुए रेवड़ा पोखरा तक गई। जहां पंडित बिरजू मिश्रा के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश भरकर यात्रा रेवड़ा चौक स्थित पूजा स्थल पर पहुंची। इस दौरान भक्तगण गणपति बप्पा मोरया जैसे नारा के गूंजमान होने से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण का माहौल बन गया। क्या बूढ़े क्या नौजवान, क्या बच्चे क्या महिलाएं सभी एक साथ नारा लगा रहे थे। इसके बाद उपासक स्थानीय जिला पार्षद स्वर्णिमा सिंह और समाजसेवी लाल बाबू ने भगवान गणेश, भोले शंकर, माता पार्वती,

■ भगवान गणेश हैं सर्व विघ्नहर्ता-नीलम सहनी

धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती जी की प्रतिमा को श्रद्धा के साथ पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किये। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नीलम सहनी ने कहा कि भगवान गणेश हैं सभी समस्याओं के विघ्नहर्ता। इनकी पूजा अर्चना से जहां एक तरफ आस्था विश्वास और भक्ति की जागृति पैदा होगी। वहीं दूसरी तरफ समाज में अमन चैन हेतु वातावरण का निर्माण होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीस सूत्री अध्यक्ष राम नारायण सिंह ने कहा कि भगवान गणेश की महिमा अपरंपार है। सभी भगवानों में सबसे अधिक कुशाग्र बुद्धि के हैं। इसलिए

इनकी पूजा सब देवो में पहिले भगवान गणेश की पूजा होती है। इनसे नई पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है। बता दें कि यहां अगले चार दिनों तक भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें महंत राम दयाल यादव, महंत मोहन जी की टीम दिन रात भक्तों को प्रवचन और संकीर्तन के माध्यम से सनातन धर्म, मानवों के कर्म और भगवान के प्रति आस्था के विचार का संचार करेंगे। कमिटी के अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के अधिक से अधिक श्रद्धालु आएंगे और भक्तिमय वातावरण का आनंद लेंगे।

मौके पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष बम भोला सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुमार कुशवाहा, रामवतार सिंह, पूर्व मुखिया रामनारायण राय, पूर्व सरपंच राम सखा सहनी, कमिटी के सदस्य केदार प्रसाद राय, दिनेश प्रसाद महतो, सुरेश सहनी, सूरज सहनी, रामदेव महतो, नितेश कुमार, सरोज कुमार राय, शुभम कुमार, नीलम देवी, कैलाश सहनी, राधेश्याम महतो, अकलू राय,चंद्र शेखर सहनी, किलाप सहनी, अनिशा कुमारी सहित सैकड़ों भक्तगण और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खेल दिवस के उपलक्ष्य में 29 से 31 अगस्त तक जिले में आयोजित होंगी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

■ हाबड़ी हॉकी अकादमी में 29 अगस्त को हॉकी प्रतियोगिता होगी आयोजित

गांव हाबडी का हॉकी स्टेडियम। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला खेल अधिकारी राजरानी ने बताया कि महानिदेशक खेल विभाग पंचकूला के आदेशानुसार खेल दिवस के उपलक्ष्य में 29 से 31 अगस्त तक जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिसके लिए ऑवर ऑल इंचार्ज बॉक्सिंग कोच गुरमीत सिंह को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को शाम चार बजे हॉकी अकादमी हाबड़ी में हॉकी प्रतियोगिता आयोजित होगी। 30 अगस्त को सुबह छह बजे चौधरी छोटू राम इंडोर स्टेडियम कैथल में जिम व नशे के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

वहीं इसी दिन शाम चार बजे पुलिस लाइन कैथल में फुटबॉल प्रतियोगिता, वहीं इंडोर आउटडोर स्टेडियम पूंडरी में खेल विभाग व अन्य विभाग के बीच में वॉलीबॉल की प्रतियोगिता, तथा चौधरी छोटू राम स्टेडियम में फिजियोथैरेपी, डोपिंग, फिटनेस, इंजरी हेतु सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि 31 अगस्त सुबह सात बजे चौधरी छोटू राम इंडोर स्टेडियम कैथल साइकिल रैली तथा शाम चार बजे हरनौला गांव में खो-खो प्रतियोगिता होगी।

राजौंद में खंड स्तरीय पर्यावरणीय विज्ञान प्रदर्शनी सम्पन्न हुई

विज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेते हुए मिशन बुनियाद विद्यार्थी आदित्य कुमार शर्मा। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड कार्यालय राजौंद में बुधवार, 27 अगस्त को पर्यावरणीय विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में खंड राजौद के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने-अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवीन प्रयोगों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर परिणाम घोषित किए गए जिनमें आरव (कक्षा 9वीं, जीएसएसएस सोंगरी-गुलियाना) ने "रोड सेफ्टी एवं स्पीड ब्रेकर से बिजली उत्पादन" विषय पर शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंजली (कक्षा 12वीं, जीजीएसएसएस जखौली) ने "स्मार्ट एग्रीकल्चर" विषय पर

■ होनहार विद्यार्थियों ने बटोरी सराहना

दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर आकांक्षा (कक्षा 10वीं, जीजीएसएस राजौंद) रही, जिन्होंने "ड्रिप इरिगेशन" पर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। इसके अलावा स्नेहा (कक्षा 11वीं, आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी) को "सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज" विषय पर प्रस्तुति देने के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को सराहते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। विजेता विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। विजेता प्रतिभागी जिला स्तर पर कैथल में आयोजित प्रतियोगिता में खंड राजौंद का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस प्रदर्शनी ने एक बार फिर साबित किया कि क्षेत्र के विद्यार्थी विज्ञान एवं नवाचार की दिशा में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं।

जिला जज से मिला सेन्ट्रल बार का प्रतिनिधि मंडल, सौंपा ज्ञापन

एसबी संवाददाता

वाराणसी। बुधवार को न्यायिक भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सेन्ट्रल बार एसोसिएशन का एक शिष्टमंडल जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी सिलो शिष्टमंडल का नेतृत्व अध्यक्ष मंगलेश दूबे और महामंत्री राजेश गुप्ता कर रहे थे।

जनपद न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि भ्रष्टाचार से कोई समझौता नही किया जायेगा, अगर मांगें न मानी गईं तो भ्रष्ट न्यायिक अधिकारियों के कोर्ट का बहिष्कार किया जायेगा। जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी ने प्रतिनिधि मंडल को आवश्यक कार्यवाही

का आश्वासन दिया। शिष्टमंडल में प्रमुख रूप से सर्वश्री मंगलेश दुबे, राजेश गुप्ता, अशोक सिंह प्रिन्स, सत्यप्रकाश सिंह, राघवेंद्र दूबे, मंगल राजभर, ओमप्रकाश गुप्ता, प्रभुनारायण सोनकर, रमाशंकर प्रजापति, विनोद सिंह, आरिफ, कन्हैया पटेल, गौतम कुमार झा आदि अधिवक्ता शामिल थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर पूर्व विधायक अमिता भूषण का बड़ा आरोप

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण वोटर लिस्ट रिविजन का काम चल रहा है। बेगूसराय नगर की पूर्व विधायक अमिता भूषण ने इस पूरी प्रक्रिया को एक स्कैम बताते हुए अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। श्रीमती भूषण ने कहा है कि कानूनी और संवैधानिक तौर पर यह आयोग की रूटीन प्रक्रिया है जो मतदाता सूची को शुद्ध किये जाने के उद्देश्य से समय-समय पर होता है। इसके माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन किया जाता है। जिससे सभी योग्य नागरिकों का नाम सूची में शामिल हो सके और अवैध या मृत व्यक्तियों के नाम हटाया जा सके। बाबजूद हम सब इसके खिलाफ हैं। राहुल गांधी सड़क पर हैं।

प्रधानमंत्री और ज्ञानेश कुमार को खुलेआम सदन से सड़क तक चोर बोला जा रहा है। दरअसल पूरा मामला इस प्रक्रिया को हथियार बनाकर चुनाव को किसी विशेष दल के पक्ष में प्रभावित करने का है जिसकी पूरी पोल पट्टी राहुल गांधी जी ने आधिकारिक प्रेस वार्ता कर के खोल दी है। चुनाव आयुक्त सवालों के जवाब की जगह दल विशेष के प्रवक्ता जैसा व्यवहार और बेवकूफाना तर्क दे रहे हैं। यह समझने और नजर रखने की चीज है कि आखिर वोटर लिस्ट से घपला कैसे किया जा रहा है। दो साधारण लेकिन गंभीर बात है। औसतन एक विधानसभा में 350 बूथ होते हैं। अब पहला काम यह किया जा रहा है कि बूथ से चिन्हित मतदाताओं के 20 नाम काट दिये

जाएंगे। चूंकि एक बूथ पर औसतन 1200 मतदाता हैं तो ज्यादा बड़ी बात नहीं दिखती है। अब उसी बूथ में 20 ऐसे मतदाताओं के नाम जोड़े जाते हैं जिनका कोई अस्तित्व नहीं होता और वोटिंग के दिन विशेष दल को जिम्मेदारी दी जाती है कि आपको इनलोगों के नाम पर वोट करवाना है। इस हिसाब से हर बूथ पर तकरीबन 40 वोट एक पक्ष के बढ़ जाने हैं। इनका अगर 70 प्रतिशत भी क्रियान्वयन हुआ तो लगभग हर बूथ पर 25 से 30 वोट एक बूथ के हिसाब से यह आंकड़ा छोटा दिखता है पर विधानसभा स्तर पर यह आंकड़ा 350 बूथ के हिसाब से लगभग 20 हजार वोटों का होता है जो किसी भी क्षेत्र के रिजल्ट का रुख बदलने को पर्याप्त है। चुनाव आयोग और भाजपा का कहना है कि बूथ पर हर दल के प्रतिनिधि होते हैं। बिल्कुल होते हैं, इसीलिए इस तरह की हेराफेरी ग्रामीण की बजाय शहरी इलाकों में ज्यादा किए जाते हैं जहां एक दूसरे को लोग कम जानते हैं।

इस तरह एक बिल्कुल साधारण तरीके से पूरी मतदान प्रक्रिया को हाइजैक किया गया है। बेगूसराय विधानसभा के वोटर लिस्ट की छानबीन के क्रम में ऐसे सैकड़ों उदाहरण साक्ष्य के तौर पर है जहां जिंदा लोगों को मरा घोषित किया गया है सिर्फ इसलिए कि उनके आकलन में ये उनके मतदाता नहीं हैं। मरे लोगों का सूची में नाम है। दर्जनों ऐसे नाम सामने आए हैं जिनका कोई अस्तित्व नहीं है और शहरी इलाकों में ऐसे ज्यादातर केस मिले हैं। आयोग कहती है बीएलओ देख रहा है, पदाधिकारी देख रहा है।70 प्रतिशत बीएलओ को संघ की शाखा से उठाकर जिम्मेदारी दे दी गई है।

पदाधिकारी की साख इतनी भर है कि वो कुर्सी पर हैं बाकि उन्हें खास नेताओं की चाकरी, उनके चुनाव प्रचार और रील बनाने से फुरसत मिले तब तो वो वोटर लिस्ट देखें। अगर सरकार और आयोग के पास डाटा है तो आज कांग्रेस के पास भी डाटा है उन घपलों और वोट चोरी की जिसे सिर के नाम पर अंजाम दिया गया है। लोकतंत्र की मजबूती का मूल आधार एक सटीक और पारदर्शी मतदाता सूची है। चुनाव आयोग इस आधारभूत सिध्दांत से इतर अलग ही भुमिका में है। भूषण ने कहा की हमारे पास ऐसी सैकड़ो शिकायते दर्ज है बहुत जल्द इन साक्ष्यों को वो सार्वजनिक करेगी।

एड्स जागरूक कार्यक्रम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। राजकीय डिग्री महाविद्यालय बदायूं में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सघन एड्स जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु एक गोष्ठी डॉ श्रद्धा गुप्ता प्राचार्या की अध्यक्षता में किया गया। इसके बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी (एड्स) डॉ विनेश कुमार द्वारा जनपद में एच आई वी/ एड्स होने के 4 कारण असुरक्षित यौन सम्बन्ध, एच आई वी ग्रस्त महिला से होने वाले उसके बच्चे, एच आई वी ग्रस्त व्यक्ति का ब्लड दूसरे को चढ़ाने, एच आई वी से संक्रमित व्यक्ति की सिरिंज से दूसरे को इंजेक्शन लगाने से फैलता है इसी प्रकार बच्चों को जागरूक किया गया। उपस्थित सुषमा सिंह ने काउंसलर द्वारा बताया गया कि अगर कोई HIV संक्रमित महिला है तो उसका प्रसव डॉक्टर की देख रेख में ही होनी चाहिए इसी तरह STI के बारे में संपूर्ण जानकारी देते हुए सभी को जागरूक किया

गया एवं शनि दुवे प्रोग्राम मैनेजर लोक स्मृति सेवा संस्थान बदायूं के द्वारा बताया गया कि सही जानकारी ही सही बचाव है एवं उनके संस्था द्वारा चल रहे प्रोग्राम जैसे एफ एस डब्लू, एम एस एम, ड्रग यूजर्स जैसे उच्च जोखिम समूहों पे HIV/AIDS विषय पर जागरूक कर रोक थाम एवं, जाँच, बचाव, इलाज के बारे में संपूर्ण जानकारी दिया। सुदेश सक्सेना डीपीटीसी/एस टी एस द्वारा बताया गया की एच आई वी/एड्स से ग्रसित मरीजों में टी बी की बीमारी होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है इसलिए सभी एच आई वी बाले मरीजों की टी बी की जाँच होना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन रोहित सक्सेना ssk प्रोग्राम मैनेजर एवं हनी सक्सेना टी आई अकाउंटेंट एवं आकाश सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित। शिक्षिक एवं शिक्षिका महोदय/महोदया डॉ सतीश यादव, डॉ राकेश कुमार जायसवाल, डॉ ज्योति बिश्नोई डॉ संजय कुमार, डॉ प्रेमचंद्र, डॉ हुकुम सिंह एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

राजौंद में किसान की गाय ने दिया जुड़वा बछड़े-बछड़ी को जन्म

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर के किसान जोगिंदर शर्मा की गाय ने जुड़वा बछड़े-बछड़ी को जन्म देकर सभी को हैरत में डाल दिया। यह समाचार नगर व आसपास के क्षेत्र में कौतुहल का विषय बन गया। पशु चिकित्सकों के अनुसार गाय का एक साथ दो बछड़े-बछड़ी को जन्म देना बेहद दुर्लभ घटना मानी जाती है।

किसान जोगिंदर शर्मा ने बताया कि उनकी गाय ने बीते कल प्रसव के दौरान पहले बछड़ी और कुछ देर बाद बछड़े को जन्म दिया। दोनों नवजात स्वस्थ हैं और मां भी पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में है। इस अनोखी घटना की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों और नगर के लोगों का उनके घर पर तांता लग गया। सभी लोग गाय व नवजात बछड़े-बछड़ी को देखने पहुंचे और शुभकामनाएं दीं। गांव के बुजुर्गों ने इसे शुभ संकेत मानते हुए कहा कि इस प्रकार का जन्म सौभाग्य लेकर आता है। वहीं बच्चों और महिलाओं में इस घटना को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

पशु चिकित्सक का कहना है कि गायों में जुड़वा संतान होना बेहद कम होता है, परंतु उचित देखभाल और संतुलित आहार से मां और नवजात पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। इस तरह किसान जोगिंदर शर्मा के घर यह खुशखबरी न केवल परिवार के लिए आनंद का अवसर बनी, बल्कि पूरे नगर में चर्चा का विषय भी बन गई।